लेकर सभी संबंधित अधिकारियों से की गई। वहीं रक्षा संपदा अधिकारी, आगरा ने उपरोक्त भूमि को रक्षा मंत्रालय की भूमि बताया। मुख्य सतर्कता आयुक्त को इस संबंध में शिकायत की गई और उन्होंने रक्षा मंत्रालय को मामले की जांच करने एवं रिपोर्ट के लिए लिखा है।

अत: सरकार से मांग है कि इस मामले की जांच कर आगरा छावनी की भूमि सेना को लौटाने एवं दोषियों को सजा देने के लिए कार्रवाई करें।

Need for printing the photo of Baba Saheb Dr. B.R. Ambedkar on currency notes

SHRI PRAMOD KUREEL (Uttar Pradesh): Sir, in our country, we have currency notes of various denomination printed by our Government. We see that in all such notes, photograph of Mahatma Gandhi is there. In other countries, we have seen that photographs or sketches or diagrams of many of their leaders are found. In our country, we have had many illustrious leaders who have contributed towards making our country what it is today. Baba Saheb Dr. Ambedkar is one such great leader of our country who wrote the Constitution of our country. It would be very appropriate if the Government of India seriously considers printing of photograph of Dr. Ambedkar on one of the currency notes, preferably Rs. 100 and/or Rs. 500 note. I appeal to Government of India to consider this and take a positive decision in this regard at the earliest.

SHRI TARUN VIJAY (Uttarakhand): Sir, I associate myself with the Special Mention made by Shri Pramod Kureel.

SHRI RUDRA NARAYAN PANY (Odisha): Sir, I associate myself with the Special Mention made by Shri Pramod Kureel.

श्री अवतार सिंह करीमपुरी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्री वीर सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्री अम्बेथ राजन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्री बृजलाल खाबरी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

Need to appoint Gramin Dak Sevaks of postal department on permanent basis

श्री अवतार सिंह करीमपुरी (उत्तर प्रदेश): महोदय, हमारे देश में भारतीय डाक सेवा कर्मी के रूप में करीब साढ़े पांच लाख कर्मी हैं, जिनमें से करीब एक लाख नब्बे हजार कर्मी अस्थायी हैं, जो घर-घर जाकर डाक बांट कर

अपने दायित्व का निर्वाह बड़ी ही ईमानदारी से करते हैं। परन्तु, इन्हें अभी तक सरकार द्वारा एक्सट्रा डिपार्टमेंटल कर्मी के रूप में ही माना जाता है, जिसके कारण इन्हें स्थायी कर्मी की सुविधाएं नहीं मिल पाती हैं। महिला कर्मियों के सामने तो दाम्पत्य जीवन निर्वाह करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, विशेषकर प्रसूती के समय छुट्टी की व्यवस्था न होने से बच्चे जनने में उन्हें असुविधा होती है। इन सारी असुविधाओं से स्थायी व अस्थायी कर्मचारियों के बीच बड़ा असंतुलन पैदा हो गया है। अस्थायी कर्मचारियों में रोष का कारण आंदोलन का सिलसिला पूरे देश में चल रहा है। अतः आपके माध्यम से सरकार से मैं मांग करता हूं कि भारतीय डाक विभाग के 1,90,000 अस्थायी कर्मियों को स्थायी करने का कष्ट करे, ताकि इन्हें स्थायी कर्मी की सुविधाएं प्राप्त हो सकें। धन्यवाद।

श्री वीर सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्री रुद्रनारायण पाणि (ओडिशा): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी (गुजरात): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्री अम्बेथ राजन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्री बृजलाल खाबरी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्री प्रमोद कुरील (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

Demand to take steps for development of National Highways in Odisha

SHRI RUDRA NARAYAN PANY (Odisha): Sir, there are sixteen national highways measuring 3,594.162 kms. in length traversed through the State of Odisha. Out of which, 2,523.963 kms. is under the control of National Highways Wing of the State and the remaining 1,070.299 kms. have been entrusted to the National Highway Authority of India for improvement under the Golden Quadrilateral, Port Connectivity and the National Highway Development Programme Phase-III. During NDA period, a good number of roads were declared as national highways by Dr. Devendra Pradhan, the then Minister of State for Surface Transport. After that, 399 kms. of State roads were declared as new national highways during 2004. Since then no State road has been considered for